सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 181 | जौनपुर, शुक्रवार, 29 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### दिल्ली में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना

नई दिल्ली, एजेसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बृहस्पतिवार को सुबह न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 64 प्रतिशत दर्ज किया गया। आईएमडी ने राजधानी में आज दिन में बादल छाए रहने और बूंदाबांदी की संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 145 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' माना जाता है।

### भारत–चीन ने एलएएसी से सैनिकों को हटाने व शेष मुद्दों के हल के लिए वार्ता की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत–चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 29वीं बैठक हुई औरध् दोनों पक्षों ने इसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएएसी) से पूरी तरह से सैनिकों को हटाने और शेष मुद्दों को हल करने पर विचार–विमर्श किया। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया है कि यह महत्वपूर्ण बैठक 27 मार्च को बीजिंग में हुई। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने इस बारे में गहन विचार–विमर्श किया कि भारत–चीन सीमावर्ती क्षेत्रों के पश्चिमी सेक्टर में एलएसी से पूरी तरह से सैनिकों की वापसी कैसे हो और शेष मुद्दों को हल किया जाए। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

बयान में कहा गया है कि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीनी विदेश मंत्रालय के सीमा और महासागरीय विभाग के महानिदेशक ने किया। इसमें कहा गया है, अंतरिम तौर पर, दोनों पक्ष राजनयिक और सैन्य माध्यमों से नियमित संपर्क में रहने और मौजूदा द्विपक्षीय समझौतों तथा प्रोटोकॉल के अनुसार सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने की आवश्यकता पर सहमत हुए।

भारत–चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 28वीं बैठक पिछले साल 30 नवंबर को हुई थी।

## सार्वजनिक स्थान अक्सर समाज में मौजूद असमानताओं को दर्शाते हैं - सीजेआई डी.वाई.चंद्रचूड़

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि सार्वजनिक स्थान अक्सर समाज में पहले से मौजूद सामाजिक असमानताओं को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने कहा कि नए बुनियादी ढांचे का निर्माण न केवल वकीलों और न्यायाधीशों के लिए अच्छा है, बल्कि इसका उद्देश्य हमारे समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचना भी है। वह यहां राजेंद्रनगर में नए तेलंगाना उच्च न्यायालय भवन के निर्माण की आधारशिला रखने और राज्य में 32 ई–सेवा केंद्रों का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे का निर्माण समाज में समुदायों और समूहों को मुख्यधारा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिन्हें परंपरागत रूप से न्यायिक प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। प्रधान न्यायधीश ने कहा, ''हम सभी को यह याद रखना

चाहिए कि सार्वजनिक स्थान अक्सर हमारे समाज में पहले से मौजूद सामाजिक असमानताओं को दर्शाते हैं। हमारा बुनियादी ढांचा कभी–कभी बहिष्कार के सूक्ष्म संकेतों को प्रतिबिंबित करता है, जैसे कि महिलाओं के लिए शौचालयों की कमी, जिसका मैंने पहले उल्लेख किया था, दिव्यांगों के लिए रैंप, युवा माताओं के लिए क्रेच और स्तनपान कराने के कमरे।''प्रधान न्यायधीश ने कहा कि ई–सेवा केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करने का कारण यह है कि भारत में अब भी 'इंटरनेट विभाजन' है और हर किसी के पास इसकी पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा कि हर वकील के पास स्मार्टफोन नहीं है और हर नागरिक के पास लैपटॉप नहीं है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि दिव्यांग–अनुकूल पार्किंग स्थलों की स्पष्ट अनुपस्थिति यह बताती है कि अदालतें दिव्यांगों के लिए नहीं हैं या उन्हें न्याय तक पहुंच प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त बाधाओं को दूर करना होगा।

इस कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति एसवी भट्टी, न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार, तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और कई अन्य कानूनी दिग्गज शामिल हुए।

## अग्निवीर स्कीम को लेकर सरकार लेगी बड़ा फैसला – राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो उनकी सरकार अग्निवीर भर्ती योजना में परिवर्तन के लिए तैयार है। समिट में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अग्निवीरों का भविष्य सुरक्षित रहे। यह कहते हुए कि रक्षा बलों में युवावस्था आवश्यक है, सिंह ने भी इस योजना का बचाव किया और कहा कि सेना में युवावस्था होनी चाहिए। मुझे लगता है कि युवा अधिक उत्साही हैं। वे अधिक तकनीक–प्रेमी हैं। हमने इस बात का उचित ध्यान रखा है कि उनका भविष्य भी सुरक्षित है। जरूरत पड़ी तो हम बदलाव भी करेंगे। अग्निवीर नाम के रंगरूट चार साल के कार्यकाल

के लिए काम करते हैं जिसमें छह महीने का प्रशिक्षण और उसके बाद 3.5 साल की तैनाती शामिल है। सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद, उन्हें सशस्त्र बलों में बने रहने के लिए आवेदन करने का अवसर मिलेगा। जैसा कि घोषणा की गई है, श्अग्निपथश या अग्निवीर योजना सेना, नौसेना और वायु सेना में सैनिकों की भर्ती की एक प्रक्रिया है, जिसे अनुबंध पर चार साल की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा, श्आत्मनिर्भर भारतश पर जोर देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार भारत को इंजनों का निर्यातक देश बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि मैंने डीआरडीओ से यह पता लगाने के लिए कहा है कि भारत में किस तरह के इंजन बनाए जा सकते हैं और कौन से देश प्रौद्योगिकी हस्तांतरित करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि हम अब भारत में इंजन बनाना चाहते हैं। हम भारत को इंजनों के लिए एक निर्यातक देश बनाना चाहते हैं।

## मै भारत हूँ व माई वोट माई ड्यूटी लघु फिल्म के माध्यम से मतदान करने की अपील

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में जनपद में चल रहे स्वीप कार्यक्रम की कड़ी में शुक्रवार को केवल पैलेस सिनेमा हाल में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बनवाई गई मतदान के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए लघु फिल्म मै भारत हूँ और माई वोट माई डयूटी को सिनेमा घर में स्क्रीनिंग से पहले और प्रत्येक फिल्म के अन्तराल के दौरान प्रदर्शित किया जा रहा है। इस लघु फिल्म में कई सिलेब्रिटी अभिनेता व भारतीय खिलाड़ियों के विडियो संदेशों को संकलित किया गया है। मशहूर हस्तियों ने लोगों से अपील किया है कि मतदान करने के अपने कर्तव्य को अवश्य निभाएं क्योकि लोकतंत्र में मतदान को गौरव का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर राज्य कर अधिकारी रंजन विजय रत्न ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद जौनपुर के सिनेमा घरों में मतदाता जागरूकता संबंधी इस लघु फिल्म को लगातार प्रसारित किया जा रहा है। इस लघु फिल्म में एक वोट का मूल्य विषय पर कई मशहूर हस्तियों के संदेशों को शामिल किया गया है। फिल्म का उद्देश्य नागरिकों को अपने वोटो के महत्व को पहचानने के लिए प्रेरित करना है। जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने फिल्म देखने आये लोगों को मतदान करने की शपथ दिलाई और कहा कि सबसे महत्वपूर्ण कार्य मतदान है।

## वित्त मंत्री सीतारमण का बड़ा ऐलान, आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में लड़ने के लिए इस बार केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को टिकट नहीं मिला है। यहां तक की खुद निर्मला सीतारमण ने भी साफ कर दिया है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में नहीं लड़ेंगी। ये बात खुद निर्मला सीतारमण ने बताई है। निर्मला सीतारमण ने कहा है कि उन्हें तमिलनाडु या आंध्र प्रदेश से चुनाव लड़ने का विकल्प दिया गया था। उन्होंने बताया कि पार्टी ने मुझसे पूछा था लेकिन कई हफ्तों के विचार के बाद मैंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने बताया कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनसे पूछा था कि वो दक्षिण में आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु से चुनाव लड़ सकती है। मगर उन्होंने खुद ही इसके लिए मना कर दिया। एक मीडिया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं है इसलिए मैंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा की पार्टी ने भी मेरी परेशानी समझी, जिसके मैं पार्टी की आभारी हूं। उन्होंने बताया की उनके पास अधिक धन नहीं है क्यूंकि मेरा वेतन, मेरी कमाई और मेरी बचत मेरी है, भारत की संचित निधि नहीं। उन्होंने बताया कि मैंने भाजपा के प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि उनके पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए जरूरी ''उस तरह का धन नहीं हैं। मुझे यह भी समस्या है कि आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु। जीतने लायक विभिन्न मानदंडों का भी सवाल है... आप इस समुदाय से हैं या आप उस धर्म से हैं? मैंने नहीं कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करने में सक्षम हूं।''

देश में 19 अप्रैल से लोकसभा चुनाव होने वाले है, जिसे देखते हुए निर्मला सीतारमण उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगी। बता दें कि पार्टी ने कई राज्यसभा सदस्यों को मैदान में उतारा है।

## चौधरी साहब को भारत रत्न, किसानों का सम्मान - सीएम योगी

शामली, संवाददाता। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा का शामली में स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल में प्रबुद्ध जन सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज फिर मुझे शामली आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पुरानी और ऐतिहासिक परंपरा से जुड़ी इस धरा को जिसने इतिहास बनते हुए देखा है, इसे नमन करता हूं। केवल एक बात बताने के लिए आया हूं कि लोकतंत्र में आपको वोट का अधिकार मिला है, और इस वोट की कीमत क्या होती है आपसे ज्यादा कोई नहीं जानता। उन्होंने कहा कि जब वोट गलत हाथों में जाता है तो कैराना में पलायन होता है और कर्फ्यू लगता है। और यही वोट जब सही हाथों में जाता है तो कावड़ यात्रा भी निकलती है और देश का विकास भी होता है। यही वोट जब मोदी जी के नेतृत्व में जब भाजपा को प्राप्त होता है तो आस्था को सम्मान मिलता है बेरोजगारों को रोजगार मिलता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या, वृंदावन में होली खेले रघुवीरा, होली खेले रघुवीरा सिर्फ सुनते थे अब पहली बार ऐसा मोका आया है, जब अयोध्या के रामलला संग भी होली खेली गई है। उन्होंने कहा कि भारत की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, आतंकवाद, नक्सलवाद नियंत्रण में हैं। अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण हुआ है। हम सिर्फ यही तक सीमित नहीं हैं। हाल ही में किसानों के मसीहा को भारत रत्न दिया गया है। चौधरी साहब किसानों के मसीहा थे। उन्होंने लंबे समय तक किसानों के लिए आवाज बुलंद की थी। यह सम्मान किसानों का है।

सीएम योगी ने मंच से गिनाईं उपलब्धियां

देश के अंदर हाइवे, रेलवे का विकास हुआ है। विकसित भारत की कल्पना को साकार करना है। विकास के लिए सुरक्षा चाहिए। 2017 से पहले यहां पलायन होता था। नागरिक पलायन करता था, व्यापारी पलायन करता था अब अपराधी पलायन करता है। पहले बेटी, व्यापारी सुरक्षा की गुहार लगाते थे मगर कोई सुनवाई नहीं होती है। अब अपराधी गले में तख्ती लटकाकर जीवन की गुहार लगाते हैं।

सीएम योगी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पहले चरण के मतदान के

लिए खुद को पहले ही तैयार करना है, दूसरों को भी मतदान के प्रति प्रेरित करना है। मत प्रतिशत को 80 प्रतिशत करना होगा। इसके लिए हर किसी को जागरूक होना होगा। हर कोई मतदान करे। मोदी जी की झोली में कैराना लोकसभा सीट की डालें।

मोदी के नेतृत्व में नए भारत के दर्शन कर रहे

प्रबुद्ध लोगों का दायित्व बनता है कि लोगों को बताए कि अबकी बार मोदी सरकार। 12 करोड़ किसानों को सम्मान निधि का सम्मान, 80 करोड़ गरीबों को फ्री राशन की सौगात दी गई है। गरीबों को पाचं लाख तक आयुष्मान बिना योजना का लाभ दिया जा रहा है। एक तरफ जातिवाद का राग अलापने वाले थे, मोदी जी के लिए देश हैं। एक नए भारत का दर्शन दुनिया कर रही है। शामली कैराना लोकसभा सीट का भी अपना महत्व है। अब सोने पर सुहागा हो गया, बीजेपी के साथ लोकदल आ गई।

मिलकर किसानों के सम्मान के लिए कार्य करेंगे। यमुना की सफाई भी होगा। पलायन पर पूरी तरह विराम लगेगा। आज शामली में व्यापार फल फूल रहा है। अब सही दिशा में आगे बढ़ा जा रहा है। भारत दुनिया की शक्ति बनेगी, नए भारत के लिए सभी को जुटना होगा।

## प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर मांग करना कांग्रेस की पुरानी आदत – पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई वकीलों द्वारा प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखे जाने के संबंध में कहा कि दूसरों को धमकाना और धौंस दिखाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। 5 दशक पहले ही उन्होंने प्रतिबद्ध न्यायपालिका का आह्वान किया था – वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें

अस्वीकार कर रहे हैं। अवरिष्ठ वकील हरीश साल्वे और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा सहित लगभग 600 वकीलों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर एक विशिष्ट हित समूह के कार्यों के खिलाफ चिंता जताई है, उन्होंने कहा, न्यायपालिका की छवि धूमिल हो रही है। सीजेआई को संबोधित पत्र में कहा गया है कि एक विशेष समूह न्यायिक परिणामों को प्रभावित करने के लिए दबाव की रणनीति अपना रहा है, खासकर राजनीतिक हस्तियों और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में। उन्होंने हित समूह पर न्यायाधीशों और अदालत के बारे में झूठी कहानी गढ़ने का आरोप लगाया है। वकीलों ने समूह पर बेंच फिक्सिंग, घरेलू अदालतों की तुलना अराजक शासन वाले लोगों से करने और न्यायाधीशों के सम्मान पर हमले का भी आरोप लगाया है। वे हमारी अदालतों की तुलना उन देशों से करने के स्तर तक भी गिर गए हैं।

## जागृति का संदेश - संघर्ष करे, हार ना माने न्याय अवश्य मिलेगा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अक्सर हमारी बॉलीवुड फिल्मों में यही देखने को मिलता है कि क्राइम हो जाने के बाद ही पुलिस प्रशासन सक्रिय होता है. और यही हाल पीड़ित के साथ भी होता है अपराध हो जाने के बाद ही पीड़ित इंसाफ पाने के लिए कोर्ट पुलिस और आला अधिकारियों की शरण में जाता है, लेकिन फिल्म जागृति (जीम ूमदपदह) एक ऐसी फिल्म है जो एक निडर, साहसी लड़की के उस संघर्ष की कहानी है जो उसने क्राइम होने की भनक मिलते ही शुरू किया, सत्ता में बैठे पावरफुल लोग, पुलिस और अपराधियों के खिलाफ ऐसा संघर्ष किया जिसमे जीत इसी लड़की की हुई। इस साल की आखिरी तिमाही में रिलीज होने वाली फिल्म जागृति (जीम ूमदपदह) की मेकर कम्पनी, फिल्म के डायरेक्टर राइटर और फिल्म में लीड किरदार निभा रहे एक्टर रजनीश दुग्गल, आस्कर में एंट्री पाने वाली फिल्म न्यूटन में अहम किरदार निभा चुकी एक्ट्रेस अंजलि पाटिल ने यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के सामने रूबरू हुए। फिल्म की मेकिंग कंपनी के परिवार फिल्म्स लिमिटेड और ग्रीन आई प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड, हम पूर्व प्लानिंग के अनुसार ही फिल्म का निर्माण करते है कंप्लीट पेपर वर्क के बाद फिल्म की शूटिंग लोकेशन आदि सभी विषयों पर फुल होने वर्क के बाद फिल्म को फ्लोर पर लेकर जाते है. यही वजह है इस फिल्म की शूटिंग भी स्टार्ट टू फिनिश लखनऊ, गोमती नगरी की अलग अलग लोकेशन पर होगी, फिल्म सच के नजदीक लगे इसीलिए हम फिल्म की 100: फीसदी शूटिंग उत्तर प्रदेश पर करेंगे।

फिल्म के डायरेक्टर हरीश कुमार ने मीडिया के सवालो के जवाब में बताया गया हमारी फिल्म नारी सशक्तिकरण और नारी के अबला नहीं सबला और कभी हार ना मानने वाली शक्ति होने का संदेश देती है, उन्होंने बताया फिल्म की नायिका एक मिडिल क्लास फैमिली की है स्टडी में हमेशा टॉप रहने वाली और अपनी योग्यता के दम पर एक

कंपनी ने प्रोजेक्ट मैनेजर का पद हासिल करने वाली फिल्म की नायिका को कंपनी का बॉस जब 50 करोड के एक प्रोजेक्ट को किसी भी तरह से हासिल करने के लिए जोर डालता है तब नायिका अपना चंडी रूप दिखा सभी दो हैरान कर देती है। फिल्म के लेखक पुष्कर तिवारी के अनुसार यह फिल्म नारी शक्ति की गाथा है जो डर कर हार ना मानने और संघर्ष करने का संदेश देती है, हमारी फिल्म महिलाओ को एक ऐसा संदेश देगी जो उनके अंदर पुलिस और न्याय व्यवस्था के प्रति निगेटिव नहीं पॉजिटिव सोच का संदेश देगी, फिल्म में वकील का किरदार निभा रहे कलाकार का मकसद पीड़ित को हर हाल में न्याय दिलाना है।

# संपादकीय

## पिछले चुनावों का इतिहास

चूँकि राजनीति काफी हद तक चेरी–चुनने का खेल है, इसलिए भारत में पिछले चुनावों का इतिहास वर्तमान पसंदीदा भारतीय जनता पार्टी और उसके संकटग्रस्त विरोधियों दोनों के लिए आरामदायक सबक है। 2024 की दौड़ के शुरुआती बिंदु पर, पंडितों और जनमत सर्वेक्षणों के आकलन का एक संयोजन – कुछ संदिग्ध सत्यता – सुझाव देता है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के शुभंकर के रूप में सत्तारूढ़ दल, हतोत्साहित कांग्रेस और उसकी पार्टी पर बढ़त हासिल कर रहा है। सहयोगी। यह 10 साल पहले के चुनाव से एक बड़ा बदलाव है। 2014 में, मीडिया की अटकलें इस बात पर केंद्रित थीं कि क्या भाजपा की संख्या लगभग 220 सीटों पर अटक जाएगी। कांग्रेस के पारिस्थितिकी तंत्र को कायम रखने की मांग करने वालों का तर्क था कि 50 या उससे अधिक सीटों की कमी यह सुनिश्चित करेगी कि भाजपा सरकार का नेतृत्व करने के लिए कम श्ध्रुवीकरणश वाले नेता का चयन करने के लिए मजबूर होगी। संक्षेप में, मोदी के अलावा कोई भी। भाजपा द्वारा अपने दम पर बहुमत हासिल करने की संभावना को इस आधार पर बेतुका कहकर खारिज कर दिया गया कि पार्टी को दलितों, पिछड़ी जातियों और निश्चित रूप से मुसलमानों का समर्थन नहीं मिला। दक्षिण भारत को भी भाजपा की सीमा से बाहर देखा जा रहा था। 2014 में अभियान की शुरुआत में, यह स्पष्ट था कि कांग्रेस बैकफुट पर थी और भाजपा का अभियान गति पकड़ रहा था। स्थिति वैसी ही थी जैसी 1971 के आम चुनाव अभियान की शुरुआत में थी जब इंदिरा गांधी ने तथाकथित श्दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादियोंश का मुकाबला किया था। हालाँकि, लोकप्रिय मूड स्थिर होने के बजाय, अभियान की प्रगति से पार्टी को प्रारंभिक लाभ हुआ और आगे की गति बढ़ती हुई दिखाई दी। 1971 में, अभियान की प्रगति में इंदिरा गांधी की कांग्रेस ने अप्रत्याशित स्थानों पर जीत हासिल की और लगभग उन सभी राज्यों में क्लीन स्वीप किया जहां अविभाजित कांग्रेस मजबूत थी। महागठबंधन कागजी शेर बनकर रह गया। 2014 में बीजेपी के सामने अपने पारंपरिक प्रभाव वाले इलाकों से अधिकतम सीटें हासिल करने की चुनौती थी. भाजपा के अभियान के साथ वाराणसी में रहने के कारण, मैं व्यक्तिगत रूप से गवाह था कि कैसे मोदी के निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक दौरे का राज्य के बाकी हिस्सों में प्रभाव पड़ता था। अभियान की शुरुआत में, अमित शाह – जिन्हें उत्तर प्रदेश में अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई थी – ने राज्य के लिए 80 में से 60 सीटों का अनौपचारिक लक्ष्य रखा था। फिर भी, अभियान के अंतिम सप्ताह में, पार्टी के समर्थन में वृद्धि की खबरें आने लगीं, जिसमें अमेठी भी शामिल था, जहां स्मृति ईरानी राहुल गांधी का मुकाबला कर रही थीं। इसके परिणामस्वरूप अंतिम समय में अमेठी में मोदी की एक सार्वजनिक बैठक का कार्यक्रम तय किया गया, जिसे शानदार प्रतिक्रिया मिली। 2014 में बीजेपी ने अमेठी नहीं जीतीय 2019 में नाटकीय जीत हुई। लेकिन भारत के बाकी सबसे बड़े राज्य में, उसने कुल 71 सीटें जीतीं, जो 2009 की तुलना में 61 की वृद्धि है। इसमें ऐसी सीटें भी शामिल थीं, जहां भाजपा ने अपने स्टार प्रचारक भेजने की भी जहमत नहीं उठाई। संदेश स्पष्ट थारू एक बार जब किसी पार्टी का अभियान गति पकड़ लेता है, तो प्रारंभिक लाभ अक्सर भूस्खलन में बदल सकता है। हालाँकि, जैसा कि कहा जाता हैरू भारत के बारे में जो सच है, उसका विपरीत भी उतना ही सच है। 2004 में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार बहुत अच्छी चल रही थी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद, भाजपा ने लोकसभा चुनाव छह महीने आगे बढ़ाने का फैसला किया। इसका निर्णय कई विचारों पर आधारित था। सबसे पहले, अर्थव्यवस्था उन्नति पर थी और मुद्रास्फीति कम थी। मध्य वर्ग की आम सहमति यह थी कि भारत सुरक्षित हाथों में है। दूसरे, मुख्य विपक्षी दल आम चुनाव लड़ने के लिए दिशाहीन और यहां तक कि संसाधनों से भी वंचित दिखाई दिया। पी.वी. को पद से हटा दिया गया। नरसिम्हा राव के नेतृत्व में कांग्रेस ने सोनिया गांधी को नाममात्र का प्रमुख बनाकर अपनी एकता बनाए रखी। भाजपा के भीतर, सोनिया के नेतृत्व का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। श्कांग्रेस उनके बिना कुछ नहीं कर सकती, और उनके साथ जीत नहीं सकतीश यह भाजपा नेतृत्व का सुविचारित आकलन था। भाजपा को जनमत सर्वेक्षणों से भी अतिरिक्त राहत मिली, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता दिखाया गया। इसके अतिरिक्त, जब नेतृत्व का सवाल आया, तो वाजपेयी की लोकप्रियता का मुकाबला करने वाला कोई नहीं था। ये सभी विचार, एक अति आत्मविश्वास पर आधारित थे, जो अन्य दलों के कई प्रतिष्ठित लोगों द्वारा भाजपा में शामिल होने से प्रबल हुआ था, शून्य हो गया। सबसे पहले, क्षेत्रीय सहयोगियों की अलोकप्रियता, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी और जे. जयललिता की अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, अभियान के शुरुआती चरणों के दौरान ही प्रकट हुई। दूसरे, इंडिया शाइनिंग अभियान को कॉर्पोरेट जगत के बाहर अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसमें उभरते भारत की जो तस्वीर चित्रित की गई थी, वह व्यापक आर्थिक रुझानों पर केंद्रित थी। यह उस भारत से मेल नहीं खाता जिसे लोग अपने दैनिक जीवन में अनुभव करते हैं। तीसरा, भाजपा के भीतर, अयोध्या में राम मंदिर जैसे मुख्य मुद्दों को संबोधित करने में वाजपेयी सरकार की अक्षमता (और, अक्सर, अनिच्छा) को लेकर काफी उदासीनता थी। कारसेवकों के साथ कठोर व्यवहार, जिसे धर्मनिरपेक्ष, बकबक करने वाले वर्गों में अच्छी तरह से स्वीकार किया गया, को एक बड़े वर्ग द्वारा देखा गया।

# उम्मीदवारों की जमानत राशि खोने की संख्या बढ़ रही

आदित्य

चुनाव आयोग के आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, 1951 में पहले लोकसभा चुनाव के बाद से 71,000 से अधिक उम्मीदवारों ने अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए कुल वैध वोटों का न्यूनतम छठा हिस्सा हासिल करने में विफल रहने के कारण अपनी जमानत राशि खो दी है। 2019 के चुनावों में, आश्चर्यजनक रूप से 86 प्रतिशत उम्मीदवारों को इस भाग्य का सामना करना पड़ा। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, जो उम्मीदवार कुल वैध वोटों का कम से कम छठा हिस्सा हासिल करने में विफल रहते हैं, उनकी जमा राशि राजकोष में भेज दी जाएगी। पहले लोकसभा चुनाव के बाद से, चुनाव लड़ने वाले 91,160 उम्मीदवारों में से 71,246 की जमानत जब्त हो गई है, जो 78 प्रतिशत का संचयी आंकड़ा दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों में जमा राशि में वृद्धि इस प्रवृत्ति के समान है, 1951 में सामान्य उम्मीदवारों के लिए 500 रुपये और एससी/एसटी समुदायों के उम्मीदवारों के लिए 250 रुपये की सुरक्षा जमा राशि बढ़कर अब सामान्य और एससी/एसटी समुदायों के उम्मीदवारों के लिए क्रमशः 25,000 रुपये और 12,500 रुपये हो गई है। राजनीतिक विश्लेषक जमानत बचाने को उम्मीदवारों के लिए गर्व की बात मानते हैं, जबकि जमानत जब्त होने को अक्सर अपमानजनक माना जाता है। 2019 के चुनावों में, प्रमुख राजनीतिक दलों में, बसपा ने सबसे अधिक सीटों पर जमानत जब्त कर ली, उसके 383 में से 345 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई, इसके बाद कांग्रेस के 421 में से 148 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, भाजपा के 69 में से 51 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई और सीपीआई के 49 में से 41 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। 1951–52 के शुरुआती लोकसभा चुनावों में, लगभग 40 प्रतिशत, यानी 1,874 उम्मीदवारों में से 745 की जमानत जब्त हो गई। बाद के लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों की जमानत जब्त होने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है। यह प्रवृत्ति 1996 में 11वीं लोकसभा चुनावों के दौरान चरम पर पहुंच गई जब 91 प्रतिशत, यानी 13,952 में से 12,688 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। इस चुनाव में लोकसभा सीटों के लिए सबसे अधिक संख्या में उम्मीदवार मैदान में उतरे। 1991–92 में, 8,749 प्रतियोगियों में से 7,539 ने अपनी जमानत राशि खो दी, यानी 86 प्रतिशत उम्मीदवार। 2009 में, 8,070 में से 6,829 या 85 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपनी जमानत खो दी, जबकि 2014 में 8,251 में से 7,000 या 84 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपनी जमानत खो दी, जो दर्शाता है कि जमानत जब्त होने से चुनाव लड़ने में कोई बाधा नहीं आई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के संस्थापक सदस्य और ट्रस्टी जगदीप एस छोकर ने कहा कि पैसा अब समाज के कुछ वर्गों के लिए मुर्गी के चारे की तरह है और अमीर और गरीब के बीच इतना विभाजन है कि कई लोग सिर्फ इसके लिए चुनाव लड़ते हैं। इसकी खातिर. उन्होंने पीटीआई–भाषा से कहा, श्जमानत राशि खोने के बावजूद कई लोगों के चुनाव लड़ने का मूल कारण यह था कि लोग इसे वहन कर सकते हैं और सुरक्षा जमा खोना कोई बड़ा झटका नहीं है। ऐतिहासिक रूप से, राष्ट्रीय दलों के उम्मीदवारों ने अपनी जमानत बचाने में अच्छा प्रदर्शन किया है। 1951–52 में पहले लोकसभा चुनावों में, राष्ट्रीय दलों के 1,217 उम्मीदवारों में से 28 प्रतिशत या 344 की जमानत जब्त हो गई। 1957 के अगले चुनावों में इसमें सुधार हुआ जब 919 उम्मीदवारों में से केवल 130 या 14 प्रतिशत उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। 1977 के चुनावों में राष्ट्रीय पार्टियों का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन देखने को मिला क्योंकि इन पार्टियों के 1,060 उम्मीदवारों में से केवल 100 (नौ प्रतिशत) की जमानत जब्त हो गई। 2009 का आम चुनाव राष्ट्रीय पार्टियों के उम्मीदवारों के लिए उतना अच्छा साबित नहीं हुआ क्योंकि लगभग हर दूसरे उम्मीदवार की जमानत जब्त हो गई। 2009 में, राष्ट्रीय दलों के 1,623 उम्मीदवारों में से 779 की जमानत जब्त हो गई। दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज के राजनीति

विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर सुशीला रामास्वामी ने कहा कि कई उम्मीदवार सुरक्षा जमा खोने के बावजूद चुनाव लड़ते हैं क्योंकि भारत में राजनीतिक गतिविधि को बहुत बुनियादी और मौलिक माना जाता है और लोगों को राजनीतिक में बहुत रुचि है। जारी करें ताकि वे अपनी किस्मत आजमाना चाहें। "कई मामलों में, यह अन्य उम्मीदवारों के वोट काटने के लिए भी हो सकता है। वे जीत के अंतर को कम करने के उद्देश्य से अन्य दलों द्वारा समर्थित प्रॉक्सी, स्वतंत्र उम्मीदवार हो सकते हैं, "उन्होंने पीटीआई को बताया। लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से सात चरणों में होंगे और दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया के लिए वोटों की गिनती 4 जून को होगी, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए दावेदारी पेश करेंगे। अन्य चरण 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे।

# रीति रिवाजों के नाम पर लैंगिक भेदभाव से मुक्त नहीं हुआ समाज

विनोद

महिमा जोशी उत्तराखंड हमारे समाज में अक्सर ऐसे कई रीति रिवाज देखने को मिलते हैं जिससे लैंगिक भेदभाव स्पष्ट रूप से नजर आता है. लड़का और लड़की के जन्म से लेकर उसके शादी–ब्याह, दहेज और संपत्ति के अधिकार तक के मामले में यह भेदभाव नजर आता है. लड़का के जन्म पर जहां जश्न मनाया जाता है, तो वहीं लड़की के पैदा होते ही घर में मातम छा जाता है. गर्भवती महिलाओं से उसके ससुराल वाले यह आशा करते हैं कि वह लड़के को जन्म देगी. जिस महिला के जितने अधिक लड़के होते हैं समाज में उसका उतना ही अधिक सम्मान होता है. इसके विपरीत लड़की को जन्म देनी वाली महिला को अपमानित किया जाता है. शहरी क्षेत्रों की तुलना में यह भेदभाव देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक नजर आता है. कई बार महिलाएं इस प्रकार की हिंसा से इतनी प्रभावित हो जाती हैं कि उनका व्यवहार भी ऐसे मामलों में भेदभावपूर्ण नजर आने लगता है. ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार गैर कानूनी तरीके से गर्भावस्था में ही लिंग जांच कर कर भ्रूण हत्या तक कर दी जाती है. अपनी किस्मत से यदि कोई लड़की बच गई तो उसे दहेज और अन्य रीति रिवाजों के माध्यम से प्रताड़ित किया जाता है. शिक्षा और जागरूकता के कारण शहरी क्षेत्रों में जहां कई ऐसे रीति रिवाज लगभग समाप्त हो गए हैं जिससे महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है, वहीं देश के दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में इसके अभाव के कारण यह आज भी समाज के लिए एक कलंक बना हुआ है. पहाड़ी राज्य उत्तराखंड का लामाबगड़ गांव इसका एक उदाहरण है. जिला बागेश्वर स्थित कपकोट ब्लॉक से करीब 21 किमी दूर इस गांव में कई ऐसी सामाजिक बुराईयां देखने को मिल जाती हैं जिससे लैंगिक भेदभाव स्पष्ट रूप से नजर आता है. चिंता की बात यह है कि इसे समाप्त करने की जगह बढ़ावा दिया जाता है. पंचायत से मिले आंकड़ों के अनुसार इस गांव की आबादी लगभग 1500 के करीब है. अनुसूचित जनजाति बहुल इस गांव में उच्च जातियों की संख्या मात्र दस प्रतिशत है. साक्षरता के मामले में भी महिला और पुरुष में काफी बड़ा अंतर नजर आता है. पुरुषों के 40 प्रतिशत की तुलना में महिला साक्षरता की दर मात्र 22.2 प्रतिशत है. यह अंतर जहां जागरूकता की कमी को दर्शाता है वहीं समाज में दहेज जैसी बुराई को भी अपनी जड़ें मजबूत करने में सहायता प्रदान करता है. गांव की एक 20 वर्षीय नवविवाहित कमला (बदला हुआ नाम) कहती है कि श्हाल ही में मेरी शादी हुई है. मेरे पति सरकारी नौकरी करते हैं. शादी के समय मेरे ससुराल वालो की मांग बहुत ज्यादा थी. मेरे घर वालों ने अच्छा रिश्ता देखकर उनकी हर मांग को स्वीकार कर लिया और बहुत सारा दहेज दिया है. इसकी वजह से वह कर्ज में डूबे हुए हैं. मुझे उनका ये दुख देखा नहीं जाता है. इसके कारण मैं कई बार मानसिक तनाव में रहती हूं. न जाने कब तक वो ये कर्ज चुकाते रहेंगे?श 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली गांव की एक किशोरी कमला कहती है कि ष्मैं सरकारी स्कूल में पढ़ती हूं जबकि मेरा भाई बाहर शहर में पढ़ने गया है. 12वीं के के बाद घर वाले मुझे आगे नहीं पढ़ाएंगे. जब भी मैं आगे पढ़ने की बात करती हूं हो तो घर वाले बोलते हैं कि जितनी तेरी पढ़ाई में खर्च करेंगे उतने में तेरी शादी के लिए दहेज की व्यवस्था हो जायेगी. इसलिए 12वीं के बाद मुझे घर का काम करने को कहा गया है. जबकि मैं भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हूँ. लेकिन दहेज के नाम पर मुझे शिक्षा से वंचित किया जा रहा है.श हालांकि लामाबगड़ गांव के कुछ परिवार ऐसे भी हैं जहां जागरूकता के कारण बालिकाओं को शिक्षा के भरपूर अवसर मिल रहे हैं. गांव की 19 वर्षीय हेमा गढ़िया का कहना है कि श्मेरे साथ परिवार में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है. मैं 12वीं के बाद अब कॉलेज भी कर रही हूं. मुझे आगे भी पढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने के अवसर मिल रहे हैं. मेरे माता पिता मुझ पर कोई पाबंदी नहीं लगाते हैं. मुझसे यह कभी नहीं कहा जाता है कि दहेज का सामान जुटाने की वजह से तेरी पढ़ाई रुकवा दी जाएगी. श हेमा कहती है कि जिस घर में जागरूकता होगी वहां लड़कियों को पढ़ने और आगे बढ़ने से नहीं रोका जायेगा. कई बार आर्थिक समस्या के कारण लड़कियों को अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ती है, लेकिन उन्हें दहेज के नाम पर शिक्षा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए.श वहीं गांव की एक 43 वर्षीय महिला माना देवी कहती हैं कि श्दहेज जैसी बुराई सदियों से चली आ रही है, जिसे समय समय पर अलग अलग नाम दे दिए गए हैं. पहले लड़की पक्ष भेट स्वरुप इस बुराई को निभाता था, आज यह खुल्लम खुल्ला होने लगा है. आज लड़का पक्ष इसे अपनी प्रतिष्ठा से जोड़कर देखने लगा है. जबकि यह प्रतिष्ठा नहीं बल्कि अनैतिक कृत्य है, जिसमें पूरा समाज साथ देता है. वहीं यदि कोई लड़की मांग से कम दहेज लाती है तो ससुराल में उसे मानसिक यातनाओं से गुजरना पड़ता है. सामाजिक स्तर पर अब इस बुराई को समाप्त करने की आवश्यकता है. इसके लिए स्वयं समाज को जागरूक होना होगा. इसके विरुद्ध अभियान चलाने की जरूरत है.श एक अभिभावक 50 वर्षीय विष्णु दत्त का कहना है कि दहेज एक ऐसी बुराई है जिसे रीति रिवाज का नाम दे दिया गया है. इसके कारण न केवल लड़कियों की शिक्षा प्रभावित हो रही है बल्कि कई बार वह मानसिक अत्याचार का भी शिकार होकर तनाव में रहती हैं. दहेज जैसी बुराई के कारण ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की लड़कियों की शादी रुक जाती है. वहीं 73 वर्षीय कलावती देवी कहती हैं कि हमारे जमाने में भी दहेज जैसी बुराई थी. परंतु इसके लिए लड़की पक्ष पर किसी प्रकार का दबाब नहीं डाला जाता था. आज दहेज नहीं, इंसानो का लालच बोल रहा है क्योंकि अब रोजगार के अवसर कम और बेरोजगारी अधिक बढ़ गई है, जिस कारण लोगों को लगता है कि पैसा जितना मिल जाए और जैसा मिल जाए वही ठीक है. इसके लिए लड़की पक्ष पर अधिक दहेज देने के लिए दबाब भी डाला जाता है और कम दहेज लाने वाली लड़कियों के साथ शोषण और अत्याचार किया जाता है. इसलिए ये सामाजिक बुराई अब पूर्ण रूप से गैर कानूनी अपराध में बदल गया है.श देश में दहेज के खिलाफ सबसे पहले 1961 में दहेज निरोधक कानून बना, इसके बाद समय समय पर इसमें संशोधन कर इसे और अधिक सख्त बनाया गया ताकि दहेज के नाम पर महिलाओं को किसी भी प्रकार के शारीरिक या मानसिक अत्याचार से बचाया जा सके. इसका प्रभाव भी देखने को मिला है. लेकिन जिस प्रकार से इसके परिणाम की आशा की जानी चाहिए थी वह आज भी नजर नहीं आता है. भले ही शहरी क्षेत्रों में जागरूकता के कारण महिलाएं जेल भेज कर दहेज लोभियों को सबक सिखा देती हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रतिशत अभी भी काफी कम है. दरअसल ग्रामीण क्षेत्रों में इस बुराई को रीति रिवाजों का नाम दे दिया जाता है. लेकिन बेहतर यह होगा कि जो रिवाज लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देता हों, उसके विरुद्ध समाज को जागरूक किया जाए. यह आलेख संजॉय घोष मीडिया अवार्ड 2023 के तहत लिखा गया है।

# उच्च शिक्षा का छिपा हुआ प्रभाव

आसिफ

पूरे भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के परिसरों में, छात्र शिक्षाविदों, परिसर की संस्कृति, पाठ्येतर गतिविधियों, छात्रावास जीवन, छात्र–शिक्षक संबंधों, दोस्ती और अंतरंग संबंधों के बीच एक जटिल संघर्ष से गुजरते हैं। ये जटिल संघर्ष उनके लिए विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का कारण बन सकते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि 2011 से 2021 तक छात्र आत्महत्याओं में 70: की वृद्धि हुई है। समाचार रिपोर्टों में बताया गया है कि 2019–21 के दौरान भारत में लगभग 35,000 छात्रों ने आत्महत्याओं के कारण अपनी जान गंवाई है, जिसमें 2023 में छात्र आत्महत्याओं की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई है। राष्ट्रव्यापी. ये संख्याएँ एक चिंताजनक सामाजिक प्रवृत्ति को रेखांकित करती हैं। संख्याएँ चिंताजनक हैं और बढ़ती सामाजिक महामारी का संकेत देती हैं। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में, शैक्षणिक उपलब्धि अक्सर सफलता का प्राथमिक उपाय बन जाती है, जिससे आत्म–चिंतन या सामुदायिक भागीदारी के लिए बहुत कम अवसर बचता है। छात्र खुद को इस मांग वाले ढांचे के भीतर व्यक्तिगत अस्तित्व पर केंद्रित पाते हैं, जो अक्सर मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों में योगदान देता है। छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धी प्रक्षेपवक्र शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश से पहले ही शुरू हो जाता है और कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया के माध्यम से जारी रहता है, जो संभावित रूप से कई व्यक्तियों के लिए उच्च शिक्षा के समग्र अनुभव से वंचित करता है। वैराग्य, मोहभंग भारत में शिक्षा प्रणाली की कल्पना स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र–निर्माण के आदर्शों को पोषित करने के लिए की गई थी। यह एक सामूहिक सपना था. हालाँकि, ऊपर उल्लिखित भयावह डेटा इंगित करता है कि छात्र दुर्भाग्य से बढ़ते अलगाव और अमानवीयकरण के कारण आत्महत्या के लिए प्रेरित हो रहे हैं, क्योंकि वे खुद को अपने परिवेश और समुदायों से अलग–थलग पा सकते हैं। यह अलगाव तब उत्पन्न होता है जब व्यक्ति अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को व्यापक सामाजिक संदर्भ से कटा हुआ मानते हैं, जिससे वैराग्य और मोहभंग की भावना पैदा होती है। इस अति–प्रतिस्पर्धी माहौल में, व्यक्तिगत उत्कृष्टता की निरंतर खोज द्वारा प्रतिस्थापित, सहयोग और करुणा खत्म हो जाती है। केवल अपने सीवी में दिखाने के लिए किए गए असाइनमेंट, ग्रेड, इंटर्नशिप, स्वयंसेवा, वाद–विवाद, भाषण और पाठ्येतर गतिविधियाँ छात्र मानस पर हावी हो जाती हैं, जो व्यापक सामाजिक चिंताओं पर ग्रहण लगाती हैं। उच्च–भुगतान वाले करियर की खोज एक विलक्षण जुनून बन जाती है, भले ही वे समाज के रोजमर्रा के मुद्दों के बावजूद रहते हों। कई छात्रों के लिए, पारिवारिक आकांक्षाओं का भार शैक्षणिक उपलब्धि के तनाव को बढ़ाता है। सामाजिक अपेक्षाओं और व्यक्तिगत पहचान के रखरखाव को संतुलित करने से आंतरिक संघर्ष पैदा होता है, क्योंकि छात्र परिवार, समुदाय और स्वयं से विभिन्न मांगों को पूरा करते हैं। आंतरिक, बाह्य तनाव उच्च शिक्षा के इस ढांचे के भीतर, विविध सामाजिक पृष्ठभूमि और अनुभवों से आने वाले छात्र विभिन्न आंतरिक और बाहरी तनावों से जूझते हैं, जो उनके करियर की आकांक्षाओं, जीवनशैली और बातचीत के कारण और भी बढ़ जाते हैं। छात्रों के बीच मतभेद उनकी विभिन्न सांस्कृतिक पूंजी, स्थायी विशेषाधिकारों और पिछड़ेपन के माध्यम से परिलक्षित हो सकते हैं।

# क्या कारण है कांग्रेस की मंद होती रोशनी के

ललित

देश की सबसे पुरानी एवं मजबूत कांग्रेस पार्टी बिखर चुकी है, पार्टी के कद्दावर, निष्ठाशील एवं मजबूत जमीनी नेता पार्टी छोड़कर अपनी

सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी पार्टी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं, वह भी तब जब लोकसभा चुनाव सन्निकट है। कांग्रेस नेताओं का यह दलबदल आश्चर्य की बात हैं, पार्टी छोड़ने का जैसा सिलसिला चल रहा है, वह देश के इस सबसे पुराने दल की दयनीय दशा और स्याह भविष्य को ही रेखांकित करता है। हालांकि भाजपा और कुछ अन्य दलों के चंद नेता कांग्रेस की शरण में भी गए हैं, लेकिन इसकी तुलना में उसके नेताओं के पार्टी छोड़ने की संख्या कहीं अधिक है। प्रश्न है एक लोकतांत्रिक संगठन की यह दुर्दशा एवं रसातल में जाने की स्थितियां क्यों बनी? इसके कारणों की समीक्षा एवं आत्म–मंथन जरूरी है। कांग्रेस पार्टी लगातार न केवल हार रही है, बल्कि टूट एवं बिखर रही है, जनाधार कमजोर हो रहा है, इन बड़े कारणों के बावजूद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने न इसकी समीक्षा की, न विश्लेषण किया। कांग्रेस पर वंशवाद एवं पुत्रमोह का ठप्पा लगा हुआ है। पार्टी में आंतरिक प्रजातंत्र नहीं है। शीर्ष नेतृत्व निर्णय लेने में अक्षम है। बहुसंख्यकों के कल्याण की कोई नीति नहीं है। तुष्टीकरण नीति भी उसके लिए घातक साबित हो रही है। इन बड़े कारणों के बावजूद पार्टी में सन्नाटा पसरे होने के कारण ही अनेक जिम्मेदार एवं कर्णधार नेता ही पार्टी छोड़कर जा रहे हैं या चले गये हैं। आज का कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व साम्प्रदायिक, असामाजिक, स्वार्थी, चाटुकारी एवं देश–विरोधी तत्वों के साथ इस तरह "ताना–बाना" हो गया है कि उससे निकलना मुश्किल हो गया है। सांप–छछूंदर की स्थिति है। न निकलते बनता है और न उगलते। कांग्रेस नेतृत्व सत्ता प्राप्ति की खुशफहमी और खोने के खतरे की फोबिया से ग्रस्त है। ।कअमतजपेमउमदज कांग्रेस के नेताओं के कांग्रेस छोड़ने से पार्टी नेतृत्व को हैरान–परेशान होना चाहिए, लेकिन शायद ही ऐसा हो, क्योंकि राहुल गांधी आम तौर पर ऐसे नेताओं को डरपोक या अवसरवादी करार देकर कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। वह और उनके करीबी यह देखने–समझने के लिए तैयार नहीं कि आखिर क्या कारण है कि एक के बाद एक नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत सिंह का भाजपा में जाना इसलिए कांग्रेस के लिए एक बड़ा आघात है, क्योंकि पंजाब उन राज्यों में है, जहां कांग्रेस अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है और भाजपा तीसरे–चौथे नंबर के दल के तौर पर देखी जाती है। बात पंजाब ही नहीं, महाराष्ट्र, हिमाचल एवं अन्य प्रांतों की भी ऐसी ही है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि कांग्रेस छोड़ने वालों में कई ऐसे नेता भी हैं, जो गांधी परिवार के करीबी माने जाते थे, जैसे अशोक चव्हाण, मिलिंद देवड़ा, सुरेश पचौरी। इसके पहले राहुल गांधी की युवा ब्रिगेड के सदस्य कहे जाने वाले अधिकांश नेता भी कांग्रेस से विदा ले चुके हैं। कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं में एक बड़ी संख्या उनकी है, जो अपना स्वतंत्र राजनीति वर्चस्व एवं पहचान रखते हैं, वे अपने जनाधार के लिए जाने जाते हैं। गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार नेताओं में बहुत कम ऐसे हैं, जो अपने बलबूते चुनाव जीतने की क्षमता रखते हों। प्रश्न है कि कांग्रेस की यह दशा क्यों बनी? देश की विविधता, स्वरूप और संस्कृति को बांधे रखकर चलने वाले अतीत के कांग्रेसी नेता, जिनकी मूर्तियों और चित्रों के सामने हम अपना सिर झुकाते हैं, पुष्प अर्पित करते हैं– वे अज्ञानी नहीं थे। उन्होंने अपने खून–पसीने से "भारत–माँ" के चरण पखारे थे। आज उनकी राष्ट्रीय सोच एवं जनकल्याण की भावना को नकारा जा रहा है, उन्हें "अदूरदर्शी" कहा जा रहा है। कांग्रेस में धीरे–धीरे जमीनी धरातल पर कार्य करने वाले बड़ी सोच वाले कार्यकर्ता कम हो गए और नेताओं के चापलूस बढ़ गए। ये चापलूस ही आगे बढ़े और कांग्रेस की टूट का कारण बने हैं। वक्त यह सब कुछ देख रहा है और करारा थपड़ भी मार रहा है। कांग्रेस विश्वसनीय और नैतिक नहीं रही और सत्ता विश्वास एवं नैतिकता के बिना ठहरती नहीं। शेरनी के दूध के लिए सोने का पात्र चाहिए। कांग्रेस अपना राष्ट्रीय दायित्व एवं सांगठनिक जिम्मेदारी राजनीतिक कौशल एवं नैतिकतापूर्ण ढंग से नहीं निभा रही। अंधेरे को कोसने से बेहतर था कि कोई तो पार्टी में एक मोमबत्ती जलाता। रोशनी करने की ताकत निस्तेज होने का ही परिणाम है कि वक्त ने सीख दे दी। इसी का परिणाम है कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या तेजी से बढ़ती चली जा रही है, उससे तो यह लगता है कि पार्टी छोड़ो जैसा कोई अभियान चल रहा है। राहुल गांधी भले ही यह दिखाएं कि कांग्रेस नेताओं के जाने से पार्टी की सेहत पर फर्क नहीं पड़ता, लेकिन सच तो यह है अब फर्क पड़ता दिख रहा है। आने वाले लोकसभा चुनाव के परिणाम इस फर्क को और अधिक स्पष्ट कर देंगे। कुछ नेता चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं और कुछ तो प्रत्याशी घोषित होने के बाद अपने कदम पीछे खींच चुके हैं। कांग्रेस भले ही यह दिखा रही हो कि वह भाजपा का मुकाबला करने मे समर्थ है, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि वह अपने नेतृत्व वाले मोर्चे इंडिया महागठबंधन को वैसा आकार नहीं दे सकी, जिसकी आशा की जा रही थी। इसके लिए कांग्रेस अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती। कांग्रेस का क्षरण इसलिए शुभ संकेत नहीं, क्योंकि भाजपा के समक्ष वही सही मायने में एक राष्ट्रीय दल है। अन्य राष्ट्रीय दलों में कोई भी ऐसा नहीं, जिसकी जड़ें देश भर में हों। लोकतंत्र में एक मजबूत विपक्ष भी आवश्यक होता है, लेकिन सत्तापक्ष उसकी मजबूती की चिंता नहीं कर सकता। कांग्रेस पार्टी में शीर्ष नेतृत्व कमजोर हो गया है। वंशवाद, परिवारवाद के कारण कांग्रेस पार्टी दिनोंदिन डूबती जा रही है।

# मॉडल अतुलिका ने अपने जन्मदिन पर किया अनूठी पहल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार की सबसे छोटी सदस्य, और माडलिग और ऐक्टिंग की

दुनिया में तहलका मचाने वाली छोटी बिटिया अतुलिका सिंह ने एक बार फिर से मानवता की मिशाल पेश किया और अपने जन्मदिन पर विशेष रूप से हर बार की तरह अलग ढंग से मनाया! अतुलिका ने हर बार की तरह इस बार भी लख्मीपुर के बस्ती मे गरीब असहाय बच्चों के बीच मे कपडे बैग और जरूरत के सामानों का वितरण करके उन बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया ! अतुलिका सिंह विगत कई वर्षो से अपना जन्मदिन असहाय निध र्ान या विशेष बच्चों के बीच मे भी मनाती है, और उनके बीच समय समय पर कपड़े और जरूरत की सामग्री को वितरित करती है!अपने जन्मदिन पर बच्चो को फल मीठा और जरूरत की सामाग्री देकर मनाया! उर्वशी सिंह ने कहा कि अपने लिए तो हर कोई जीता है कभी दूसरों के और ऐसे असहाय लोगों के साथ कोई खुशिया मनाइए तो खुशी दुगनी हो जाती है!उर्वशी सिँह ने कहा कि अतुलिका हमारे घर के लिए एक वरदान के स्वरुप मे आयी है! समय समय पर नेक कार्य करती रहती है जिसमें उनका पूरा परिवार भी साथ रहता है! जन्मदिन में विशेष रूप से ट्रस्ट के नागेंद्र नाथ सिंह जी, राधिका सिंह कंचन सिंह, दीक्षा सिंह मनीष सिंह, वीरेंद्र सिंह, चंद्रशेखर राय, के साथ सभी बच्चे और अन्य सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

## इंस्पेक्टर बृजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में पारा पुलिस ने होली की रात डूडा कालोनी निवासी ड्राइवर मुन्ना साहू की हत्या करने वाले 03 नफर अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

पुलिस आयुक्त लखनऊ एस. बी. शिरडकर के निर्देशन में, पुलिस उपायुक्त पश्चिमी डा० दुर्गेश कुमार के मार्गदर्शन में, अपर पुलिस

उपायुक्त पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव व सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी शकील अहमद के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में उप निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह व पुलिस टीम द्वारा होली की रात डूडा कालोनी निवासी ड्राइवर मुन्ना साहू की हत्या करने वाले 03 नफर अभियुक्तगण 1. संजय शर्मा पुत्र स्व० कन्हैया लाल शर्मा, 2. विकास शर्मा पुत्र संजय शर्मा 3. राहुल शर्मा पुत्र संजय शर्मा निवासीगण 654 डूडा कालोनी थाना पारा लखनऊ मूल निवासी ग्राम विष्णुपुरा थाना महराजगंज जिला सिवान बिहार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण की निशानी पर आला कत्ल डण्डा व बैट बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

संक्षिप्त विवरण बताते हुए इंस्पेक्टर बृजेश कुमार वर्मा ने कहा कि होली की रात दिनांक 25.03. 2024 को डूडा कालोनी निवासी मुन्ना साहू उर्फ मुन्ना प्रसाद गौड़ के घर में घुसकर मुन्ना साहू व उनकी पत्नी पर जानलेवा हमला करने के सम्बन्ध में मुन्ना साहू के बेटे अमन कुमार द्वारा दिनांक 26. 03.2024 को संजय, विकास, राहुल व अन्य अज्ञात साथियों के विरूद्ध तहरीरी सूचना दी गयी। तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 161/2024 धारा 147/323/504/506/452/308 भादवि० पंजीकृत किया गया। मुन्ना साहू की इलाज के दौरान ट्रामा सेन्टर में मृत्यू हो जाने व मुन्ना साहू के अनुसूचित जनजाति में होने के कारण अभियोग में धारा 302 भादवि0 व एस०सी० एस०टी० एक्ट की वृद्धि की गयी। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार वर्मा द्वारा चौकी प्रभारी हंसखेडा के निर्देशन में टीम गठित कर अभियुक्तगण संजय शर्मा पुत्र स्व० कन्हैया लाल शर्मा,विकास शर्मा पुत्र संजय शर्मा, राहुल शर्मा पुत्र संजय शर्मा निवासीगण 654 डूडा कालोनी थाना पारा लखनऊ मूल निवासी ग्राम विष्णुपुरा थाना महराजगंज जिला सिवान बिहार को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दण्डा व बैट बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण के विरुद्ध विधि ाक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में इंस्पेक्टर बृजेश कुमार वर्मा, उप निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक रितेश गुप्ता, हेड कांस्टेबल अरविन्द कुमार, कांस्टेबल कृष्ण कुमार थाना पारा कमिश्नरेट लखनऊ शामिल रहे।

# जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन का डीआरएम ने किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर/मीरगंज। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम शचीन्द्र मोहन शर्मा ने जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया स्टेशन पर हो रहे नानइण्टरलाकिंग कार्य शीघ्र पूरा करने का अपने मातहतों को निर्देश दिया। वाराणसी प्रतापगढ़ रेलवे रुट पर स्थित जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन एक बडा स्टेशन है यहा रेलवे द्वारा स्टेशन के सौन्दर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भी चयनित है यहा प्लेटफार्म 4 और 5 नया बन रहा है तथा एक दो तीन प्लेटफार्म का विस्तारिकरण हो रहा है जिसके के लिए नान इण्टरलाकिंग का कार्य किया जा रहा है । शुक्रवार को दोपहर 12 बजे उत्तर रेलवे के डीआरएम शचीन्द्र मोहन शर्मा विशेष सैलून से जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुच वह सीधे माहततो के साथ ओवर ब्रिज पर पहुच कर प्लेटफार्म नम्बर तीन चार पांच की नान इण्टरलाकिंग कार्य को देखा तथा शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। इसके बाद स्टेशन पर बन रहे भवन, आरक्षण काऊण्टर, जल निकासी का नाली और सर्कुलेटिंग एरिया साइकिल स्टैंड का निरीक्षण भी किया तथा कर्मचारियों को कार्य मे तेजी का निर्देश दिया । लोगो ने पेयजल व शौचालय की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। कार पार्किंग पर रक्खे गये मडहे को देखकर कव्ट्रक्शन के ठेकेदार पर नाराजगी जताई तथा मडहा जल्द हटाकर टीन शेड लगाने का निर्देश दिया। आरपीएफ के जवानो ने बैरक की समस्या को उठाया बिजली पानी शौचालय न होने समस्या को उठाया जिसे शीघ्र दूर कराने का आश्वासन दिया। वह लगभग डेढ घंटे तक स्टेशन पर रहे। निरिक्षण के दौरान उनके साथ सीनियर डीसीएम डा रेखा शर्मा स्टेशन अधीक्षक कोमल सिंह सीएमई सुधान्शू ओमनी पीडब्लूआई ए ए खान एपीडब्लूआई ज्ञानेंद्र मिश्रा विद्युत इंचार्ज दिनेश पाण्डेय आरपीएफ इन्सपेकटर अशोक कुमार एसआई दीपक कुमार जीआरपी प्रभारी अली अतहर मौजूद रहे।

## व्यापारी नेता अमरनाथ मिश्रा ने संयुक्त पुलिस आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने संयुक्त पुलिस आयुक्त, लॉ एण्ड ऑर्डर पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ से मुलाकात कर व्यापारियों को सुरक्षा हेतु प्रदान शस्त्र लाइसेन्स न जमा करने हेतु एक ज्ञापन सौपा जिसमें व्यापारियों के पास जो शस्त्र लाइसेन्स है वह अपने सुरक्षा के साथ–साथ व्यापार की सुरक्षा बनाए गये है, आपराधि ाक पृवृत्ति का न हो तो उसके शस्त्र लाइसेन्स न जमा कराये जायें। उक्त समय में पुलिस की भी उपलब्धता कम हो जाती है ऐसे में आपराधिक प्रवृत्ति जैसे चोर लुटेरे आदि सक्रिय हो जाते है। व्यापारी दिन भर माल बेच कर रात्रि में दुकान बन्द कर अपने साथ नगदी घर ले जाते है जिसकी सुरक्षा हेतु अपने पास शस्त्र लाइसेन्स रखतें है। व्यापारियों को शस्त्र लाइसेन्स न जमा करने की छूट प्रदान करने की मांग की। और यह भी बताया कि पूर्व में भी ऐसी व्यवस्था थी जिसके लिए एक निध ार्ारित फार्म पर आवेदन किया जाता था और उस पर पुलिस की आख्या के अनुसार छूट प्रदान की जाती रही है।

कहा कि उपरोक्त् आवेदन प्रारूप पर अनुज्ञापी अपना आवेदन करता है और पुलिस आख्या के हिसाब से हमारी कमेटी विचार करके छूट प्रदान करेगी। जिसके लिए व्यापारी नेता अमरनाथ मिश्रा ने संयुक्त पुलिस आयुक्त को धन्यवाद दिया।

# रोजा इफ्तार में जुटे सभी मजहबों के लोग, मुल्क में अमन की हुई दुआ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गुरुवार को जामिया इमाम जाफर सादिक अलैहिस्सलाम में रोजेदारो के लिए मजलिस–ए–अजा और इफ्तार का आयोजन किया गया । रोजा इफ्तार में बड़ी संख्या में सभी मजहबों मिल्लत के लोगो ने एक साथ इफ्तार कर आपसी सौहार्द की मिसाल पेश कर मुल्क में अमन सलामती की दुआ किया । मजलिस की शुरुआत पवित्र कुरान के तिलावत से हुई जिसे जनाब मजहर खान साहब ने अन्जाम दिया । इसके बाद मौलाना सैयद सैफ आब्दी ने मजलिस को संबोधि ात करते हुए कहा कि रमजान का पवित्र महीना अल्लाह का एक खास महीना है । इस महीने में अल्लाह अपने बंदों के लिए रहमत के सारे दरवाजे खोले रखता है और इस मुबारक महीने में अपने बंदों के सारे गुनाहों को माफ करने का वादा भी करता है । इसलिए सभी को इस पाक महीने में खूब इबादत करनी चाहिए और मगफिरत की दुआ करते रहना चाहिए। धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने कहा कि दुनिया की मुहब्बत इंसान को दीन से गाफिल और आखिरत की याद उसे ईमानदार बना देती है । जब कोई व्यक्ति सिर्फ दुनियावी लजजत को हासिल करने की कोशिश करता है तो वह अल्लाह की कई नेमतों से वंचित रह जाता है। मजलिस के बाद मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने नमाज अदा कराई जिसके बाद रोजेदारों ने सामूहिक इफ्तार किया । इस मौके पर मौलाना हसन मेंहदी , मौलाना अंबर अब्बास खान, फरमान गाजीपुरी , बसपा नेता सलीम खान , आरिफ हबीब , फाजिल सिद्दीकी , अजवद कासमी, हसनैन कमर दीपू, निहाल हैदर , हसन मेंहदी , आरिफ हुसैनी आदि के साथ भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# उप गन्ना आयुक्त ने गन्ना बुआई का लिया जायजा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोंडा। उप गन्ना आयुक्त देवीपाटन डॉ. आर.बी.राम ने बजाज चीनी मिल कुंदुरखी के यूनिट हेड पी.एन. सिंह के साथ गन्ना विकास परिषद चिलवरिया के शेखापुर, पूरे शिव सहाय व गंगवल आदि ग्रामों का भ्रमण कर वसंतकालीन बुवाई का जायजा लेते हुए किसानों को आवश्यक सुझाव दिए। भ्रमण के समय ग्राम शेखापुर के कृषक विशाल सिंह के प्लॉट में को.15023, को. 0118 व कोलख.14201 प्रजाति के गन्ने की ट्रेंच विधि से दोहरी लाइन में बुवाई की जा रही थी। उप गन्ना आयुक्त ने पूरे शिव सहाय ग्राम के अमूल गिरी तथा गंगवल के किसान कृष्ण कुमार सिंह के प्लॉट में भी हो रही गन्ना बुवाई का भी अवलोकन किया। भ्रमण के समय उन्होंने रेडरॉट से प्रभावित को. 0238 प्रजाति की बुवाई न करने एवं ट्राइकोडरमा से भूमि उपचार करने की सलाह दी। साथ ही चीनी मिल के अधिकारियों को इस बार क्षेत्र में 20 प्रतिशत अधि ाक बुआई के भी निर्देश दिए। भ्रमण के समय राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक अखिलेश चतुर्वेदी, चीनी मिल के विष्णु प्रताप सिंह, शिव पाल यादव तथा जीत बहादुर आदि उपस्थित रहे।

# मतदाता जागरूकता में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका – जिलाधिकारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के स्वीप कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के नेतृत्व में जनपद के पत्रकार बंधुओ की सहभागिता से मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। मतदाता जागरूकता रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारम्भ हुई। यह रैली शहर के सिनेमा चौराहा, बड़ा चौराहा, नुमाइश चौराहा से होते हुए वापस कलेक्ट्रेट परिसर में समाप्त हुई। रैली के समापन के उपरांत कलेक्ट्रेट स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में पत्रकार बंध ुओ ने मतदाता जागरूकता की शपथ ली। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता जागरूकता में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकार सीधे जनता से जुडा होता है। पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि पत्रकारों के सहयोग से जनपद का मतदान प्रतिशत अवश्य बढ़ेगा। अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह ने कहा कि पत्रकार बन्धुओं से सहयोग से मतदाताओं का उत्साह बढ़ेगा और जनपद शीर्ष मतदान वाले जनपदों में शामिल हो सकेगा। स्वीप प्रभारी उपनिदेशक कृषि डॉ नन्द किशोर ने पत्रकार बन्धुओं के उत्साह की सराहना की। पत्रकार बन्धुओं ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक बाल मुकुंद प्रसाद, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार व अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम आदि उपस्थित रहे।

# सीसीटीवी कैमरे की जद में होगें पंडित दीनदयाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर नगर पंचायत क्षेत्र के फोरलेन के पास सरोखनपुर गांव में राम–जानकी तिराहे पर प्रतिष्ठापित भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष पंडित दीनदयाल उपाध याय की भव्य प्रतिमा की निगरानी अब सीसी टी वी कैमरा के माध्यम से की जाएगी। गुरुवार की रात नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में सुरक्षा एवं संरक्षा को मद्देनजर पीटीजेड सीसीटीवी कैमरा लगवाया है। । कैमरा से मात्र प्रतिमा की ही निगरानी नहीं बल्कि 500 मीटर तक की परिधि में होने वाली घटना दुर्घटना पर भी पुलिस की पैनी नजर होगी । कैमरे से लाइव निगरानी नगर पंचायत व थाना परिसर से होगी। गौरतलब है कि माहौल को बिगाड़ने के लिए सोमवार की रात को अराजक तत्वों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा को तोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया था। चेयरमैन सीमा सिंह ने आनन फानन में वाराणसी के कुशल कारीगरों से निर्मित संगमरमर की दूसरी भव्य प्रतिमा प्रतिष्ठापित कराया है । वार्ड नम्बर छ के सभासद राजू ने अज्ञात लोगों पर प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने के आरोप में केस भी दर्ज कराया है।

# पशु सेवा केन्द्र का डेढ साल से निर्माण कार्य बंद कर ठेकेदार गायब

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मीरगंज क्षेत्र के गोध ाना गांव में 10 लाख 66 हजार की लागत से बन रहे पशु सेवा केंद्र का निर्माण डेढ साल से अधूरा छोड़कर ठेकेदार गायब हो गया। क्षेत्र के लोग अस्पताल के निर्माण का कार्य पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अभी पशु पालकों को सुविधा के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। पशुपालकों के अनुसार, ठेकेदार की लापरवाही से सरकार की योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। काम को 2019 में ही पूर्ण होना था। मछलीशहर ब्लॉक के ग्राम पंचायत गोधना का पशु सेवा केंद्र का भवन काफी जर्जर हो चुका था। जिसके बाद शासन से 2014 में नया भवन बनाने के लिए 10 लाख 66 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई। जिसका निर्माण ठेकेदार द्वारा शुरु भी कराया गया था।कुर्सी भरने के साथ ही कुछ दिवार खड़ी करके काम बंद कर दिया गया। जिसके चलते आज तक सरकार की योजना पूरी नहीं हो पाई। पशुधन प्रसार अधिकारी किराए के मकान में रह रहे हैं। पशु अस्पताल का निर्माण नहीं हो पाने के कारण गोधना, अगहुआ, चौकीखुर्द, चौकीकला, चितांव, भटेवरा, ऊचडिह, टिकरा, सहनी, गुरगुजी, रामपुरखुर्द, रामगढ़, बरावा और जगदीशपुर के पशुपालकों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में पशुधन प्रसार अधिकारी अमित शर्मा का कहना है की ठेकेदार ने काम शुरू किया था, लेकिन अब 12 अगस्त 2022 से बंद कर दिया है। इसकी सूचना विभाग को दे दी गई है।

# युवक ने खाया विषाक्त पदार्थ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के नगर फैजाबाद रोड निवासी युवक शुक्रवार की सुबह परिजनों की डांट फटकार से छुब्ध होकर घर में रखा कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया हालत गंभीर देखकर परिजनों ने उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जानकारी के मुताबिक फैजाबाद रोड निवासी रोहित (24)पुत्र भगवती शुक्रवार की सुबह परिवार के लोगों की डांट फटकार से छुब्ध होकर घर में रखा विशाख्त पदार्थ का सेवन कर लिया हालत गंभीर देखकर परिजनों ने उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

# नव अंशिका सर्वश्री सम्मान" के साथ सम्पन्न हुआ "द ग्रेट शक्ति स्वरूपा उत्सव"

– "द ग्रेट शक्तिस्वरूपा उत्सव" के तहत मार्च माह के हर शुक्रवार को मनाया गया महिला दिवस
– निराला नगर के जे.सी.गेस्ट हाउस में हुए आयोजन में सामाजिक संदेश सेवा संस्थान की हुई प्रभावी प्रस्तुति

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। "द ग्रेट शक्तिस्वरूपा उत्सव" के अंतर्गत नव अंशिका फाउंडेशन की ओर से नव अंशिका महिला माह की अंतिम कड़ी में "नव अंशिका सर्वश्री सम्मान" वितरित किया गया। निराला नगर के जे. सी.गेस्ट हाउस में हुए इस भव्य सम्मान समारोह में संस्कृति विभाग के सहयोग से सामाजिक संदेश सेवा संस्थान के द्वारा फूलों की होली की प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र बनी। सम्मान समारोह में बतौर मेहमान –ए – खास के रूप में वरिष्ठ समाज सेवी अर्पणा यादव और नर्मता पाठक, इंकमटैक्स ऑफिसर सूर्यकांत मिश्रा सहित भातखंडे विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ.पूर्णिमा पाण्डेय, भी आमंत्रित की गई थीं।

"नव अंशिका सर्वश्री सम्मान" में

जौंनपुर स्वास्थ्य विभाग की आशा संगिनी सरिता पाण्डेय, उन्नाव उत्तर प्रदेश पुलिस– की वरिष्ठ उपनिरीक्षक रीना पाण्डेय मिश्रा, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.रुचि खरे, भारतीय रेलवे की राजपत्रित अधि ाकारी मंजू चक्रवर्ती, किंग कन्स्ट्रक्शन की संजना सिंह संजू, सैस हुंडई की ब्रांच हैड चंचला सचदेवा, वाहन चालक अंजू और

रेल विहार कॉलोनी की वरिष्ठ समाज सेवी रेखा शर्मा का अभिनंदन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में संस्कृति विभाग के सहयोग से सामाजिक संदेश सेवा संस्थान की ओर विशाल–अरुण के दल ने "होली खेलो तू जमकर घूंघट वाली" पर फूलों की होली का सजीव नजारा उपस्थित कर दर्शकों को जोश से लबरेज कर दिया। वही श्वेता की दिलकश प्रस्तुति के बाद शिक्षा अग्रवाल ने भी मधुर होली गीत पर प्रभवी कथक प्रस्तुति खासी सराही गई। भातखंडे की डॉ.रुचि खरे के निर्देशन में पदम विभूषण पंडित बिरजू महाराज द्वारा रचित और स्वरबद्ध भगवान कृष्ण पर आधारित भजन श्री कृष्ण निरतत थुंगा थुंगा पर कनक कुलश्रेष्ठ और वैभवी मिश्रा ने प्रभवी नृत्य पेश कर तालियां बटोरीं। (सुधि श्रोताओं के आग्रह पर अर्पणा यादव ने ले चले हम राष्ट की और गीत सुनाकर सबका दिल जीत लिया।) इस अवसर पर संस्था की यूपी की सशक्त बेटियों को शामिल किया गया। यह कार्यक्रम 1, 8, 15, 22 और 29 मार्च को हुए। एक मार्च को महिला माह के प्रथम सोपान के अंतर्गत गोमती नगर के रेल विहार कालोनी घरों में काम करने वाली महिलाओं को "नव अंशिका श्रमदेवी

उपाध्यक्ष नीरा लोहानी,डॉ.शशांक शेखर, शिखा श्रीवास्तव, नीमा पंत, मंजू बिष्ट, रचना सिंह, सावित्री देवी, सोनू रेडियो जयघोष की एडमिन अंकिता पाण्डेय, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के प्रमुख अभिषेक अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित रहे। इस सम्मान समारोह में मिठाईवाला और गुडबेकरी सहित अन्य संस्थानों का भी सहयोग प्राप्त हुआ। नव अंशिका फाउंडेशन संस्था की अध्यक्षा नीशू त्यागी ने बताया कि नव अंशिका फाउंडेशन की ओर से नव अंशिका महिला माह की शुरुआत शुक्रवार 1 मार्च से की गई थी क्यों कि इस साल महिला दिवस शुक्रवार को मनाया जा रहा है। इसलिए मार्च माह के सभी पांचों शुक्रवारों को, "मिशन शक्ति" को समर्पित प्रेरक कार्यक्रम "द ग्रेट शक्तिस्वरूपा उत्सव" के अंतर्गत आयोजित किये गए। इसमें विभिन्न वर्गों से सम्बंध रखने वाली शक्ति सम्मान" दिया गया। इस क्रम में दूसरे शुक्रवार 8 मार्च, महिला दिवस पर चूंकि शिवरात्रि महापर्व भी है इसलिए उस दिन "शिव की शक्ति" थीम पर कार्यक्रम हुए। तीसरे शुक्रवार 15 मार्च को शिक्षा, खेल, कला आदि क्षेत्र में यश अर्जित करने वाली "यूपी की सशक्त बेटियों" को "नव अंशिका तेजस्वनी सम्मान" से अलंकृत किया गया जबकि चौथे शुक्रवार 22 मार्च को "रंग–रंगीली सहेली" का आयोजन किया गया। अंतिम शुक्रवार 29 मार्च को पुरुषों के क्षेत्र में नाम अर्जित करने वाली महिलाओं को "नव अंशिका सर्वश्री सम्मान" से अलंकृत किया गया। संयोजक मंडल में शामिल दबीर सिद्धिकी ने बताया कि महिला माह के अंतर्गत सम्मानित होने वाली विभिन्न महिलाओं के साक्षात्कार द्वारा अब वर्ष पर्यंत सोशल साइट्स के माध्यम से अन्य महिलाओं को प्रेरित किया जाएगा।

# रामनवमी से तीन दिन पूर्व बदलेगी व्यवस्था, 24 घंटे होगे रामलला दर्शन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनवमी में रामलला के दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ने

की संभावना है। जिसको लेकर प्रमुख सचिव भारत सरकार अजय कुमार भल्ला, प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र तथा डीजीपी प्रशांत कुमार गुरूवार को रामनगरी पहुंचे।यहां उन्होंने मंदिर परिसर में अधिकारियों व ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ रामनवमी की तैयारियों पर मंथन किया।लगभग दो घंटे चली बैठक में क्लाउड मैनेजमेंट, ट्रैफिक डाइवर्जन, सुगम दर्शन की व्यवस्था, साफ–सफाई, चिकित्सा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई।इस मौके पर जिलाधिकारी ने बताया कि राम नवमी के तीन दिन पूर्व से 24 घंटे राम लला का दर्शन होगा।केवल भोग के समय दर्शन की व्यवस्था नही होगी। आरती के समय मंदिर खुला रहेगा। जिससे ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं को दर्शन कराया जा सके।उन्होंने बताया कि रामनवमी को लेकर अयोध्या के मंदिरों में क्या व्यवस्था रहेगी इसको लेकर बैठक में चर्चा की गई। ट्रैफिक डाइवर्जन को रेखांकित किया गया है।उन्होंने बताया कि रामनवमी से पूर्व राम मंदिर से लेकर सुग्रीव किला तक बैरीकेटिंग की जाएगी।यात्रियों व श्रद्धालुओं के लिए शेड की व्यवस्था की जाएगी।पानी की व्यवस्था ट्रस्ट की ओर से की जा रही है।रामनवमी पर भारी भीड़ आने का अनुमान है।तुलसी उद्यान में सांस्कृतिक कार्यक्रम चल रहे है।तो रामनवमी तक संचालित रहेंगे। इसके अतिरिक्त ट्रस्ट की तरफ से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के आवागमन के मार्ग पर दृष्टि रखी जाएगी।कितने श्रद्धालु आए तथा कितने लोगों को दर्शन कराने की क्षमता है इसको देखते हुए आगे व्यवस्था तय की जाएगी। रामनवमी पर लगभग 15 लाख लोगों की आने की संभावना है।जिसकी सही अनुमान तो दर्शन के बाद ही लगाया जा सकता है।

# 'राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा व रामनवमी मेले की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न, दोनों उच्च अधिकारी वापस लखनऊ लौटे'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा व रामनवमी मेले की तैयारी को लेकर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र व डीजीपीआर प्रशांत कुमार ने मंदिर परिसर में समीक्षा की, आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने बयान दिया कि राम जन्म भूमि की सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई, बैठक के पूर्व दोनों उच्च अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए निर्देश दिए, बैठक में राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों निर्देश दिए गए, राम लला के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं की व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश, आने वाले श्रद्धालुओं को ना हो कोई दिक्कत, रामनवमी मेले को लेकर दोनों उच्च अधिकारियों के निर्देश, सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश, रामनवमी पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, मेडिकल व्यवस्था व अन्य सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश, रामनवमी के पर्व पर लगभग 50 लाख श्रद्धालुओ के अयोध्या पहुंचने की उम्मीद, 17 अप्रैल को मनाया जाएगा रामनवमी, भव्य और दिव्य मंदिर में भगवान राम लला की मनाई जाएगी पहली रामनवमी, क्राउड मैनेजमेंट के लिए मुख्य सचिव व डीजीपी ने अधिकारियों को दिए निर्देश, ना हो कोई लापरवाही, आईजी प्रवीण कुमार के मुताबिक सभी निर्देशों का पालन कराया जाएगा। बैठक में एडीजी जोन अमरेंद्र कुमार सेंगर, कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम नीतीश कुमार, एसएसपी राजकरण नैय्यर व अन्य अधिकारी रहे मौजूद, बैठक में ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य भी मौजूद रहे।

# अयोध्या में कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई रमजान का तीसरा जुमा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। जुमे की नमाज के दौरान माफिया मुख्तार अंसारी की मौत पर टाट मस्जिद के मौलाना अब्दुल मजीद ने अदा की मफरित की दुआ की, मौलाना ने कहा जो इस दुनिया से जाते हैं उनके लिए हम करते हैं। मफरित की दुआ, उनके जिंदगी के जो मामले हैं वह अल्लाह के सुपुर्द करते हैं, अल्लाह उसके बारे में बेहतर फैसला करें, उनके जो अच्छे कर्म है उन्हें अच्छे जजा मिलती है, जिनके बुरे कर्म होते हैं उन्हें बुरे जजा मिलती है उन्हें बुरा बदला मिलेगा,, जो दुनिया से गया वह गया, उनके लिए हम मफरित की दुआ करते हैं, अल्लाह उसके गुनाहों को माफ करें, जुम्मे की नमाज के दौरान मुल्क के अमन की दुआ मांगी गई और लोगों से अपील की गई अमन के साथ भाईचारे के साथ रहे, मुल्क में लोग एक दूसरे की मदद करें, नफरत नहीं बल्कि मोहब्बत का पैगाम फैलाएं, यही इस्लाम का पैगाम है, जनपद में शांतिपूर्ण संपन्न हुई जुम्मे की नमाज, शहर में सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में मिश्रित इलाको में भ्रमणशील रही पुलिस।

# 'टैंकर चालक का संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिल शव

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। इनायत नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुचेरा बाजार स्थित पीएनसी कंपनी के आवासीय परिसर के ब्लॉक डी स्थित अपने सहकर्मी डंपर चालक के कमरे में पाइप से रस्सी के सहारे लगभग 45 वर्षीय टैंकर चालक रामहरक राजभर पुत्र पूर्णमासी निवासी हरकौली पोस्ट शिवपुर थाना भलवनी जनपद देवरिया का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे में लटका मिलने के बाद कंपनी के कर्मियों सहित क्षेत्र में हड़कंप पहुंच गया है। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आवास को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक टीम बुलाते हुए गहन छानबीन शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग 330 ए की निर्माण कार्यालय संस्था द्वारा कुचेरा बाजार में हॉट मिक्स प्लांट बना रखा गया है, जिसके आवासीय भवन ब्लॉक डी में उपरोक्त टैंकर चालक रामहरक रहता था। उसका बगल में ही स्थित डंपर चालक बबलू यादव निवासी बेगूसराय बिहार के साथ बैठता उठना भी था। बबलू यादव का कहना है कि बृहस्पतिवार को रामहरक उसके रूम पर आए और कहा मैं यही हूं, आप भोजन लेने जा रहे हो, मेरी भी टिफिन लेते जाइए, भरवा लाईए। इसके बाद बबलू टिफिन उन्हें देकर ड्यूटी पर चला गया और लगभग 12 बजे करीब जब वह अपने रूम पर गया तब देखा कि रामहरक रस्सी के सहारे टिन सेड में लगे लोहे की पाइप से रस्सी के सहारे लटके हैं। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे कंपनी के अधिकारियों में शामिल सीनियर इंजीनियर रघुनाथ पांडे ने घटना की जानकारी इनायत नगर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकार सुनील कुमार सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मृतक कर्मी का शव कब्जे में लेकर पंचायत नामा कराने के उपरांत पोस्टमार्टम हेतु भेजवाया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को भी सूचना दे दी। जिसके बाद मृतक का भाई प्रदीप राजभर मौके हेतु चल पड़ा है।

# अयोध्या रायबरेली मार्ग पर एक बस के संचालन से यात्री परेशान

अयोध्या। अयोध्या डिपो से रायबरेली को प्रतिदिन सिर्फ एक ही रोडवेज बस का संचालन हो रहा है। जिसके चलते इस रुट से आने जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बताते चलें कि अयोध्या डिपो से अमेठी, लखनऊ, आजमगढ़, गोरखपुर,बलरामपुर रुट पर पर्याप्त संख्या में बसों का संचालन हो रहा है।परंतु अयोध्या रायबरेली फोरलेन बनने के बावजूद इस मार्ग पर रोडवेज बसों की संख्या नहीं बढ़ाई गई।जब कि इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन रहता है।सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को उठानी पड़ती है जिन्हें कुमारगंज, शुकुल बाजार,जगदीशपुर, रायबरेली जाना पड़ता है।परन्तु उन्हें सुबह एक ही बस उपलब्ध होने के चलते बस के अभाव में मजबूरी में सुल्तानपुर जिले से होकर गुजरना पड़ता है।जिससे समय व पैसा दोनों ही अधिक खर्च होता है।वही इस समय रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद रायबरेली,जगदीशपुर से भारी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं।परंतु अयोध्या डिपो से रायबरेली के लिए केवल एक बस होने के चलते इधर से रायबरेली मार्ग पर जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जो मजबूरी में सुल्तानपुर जिले से होकर रायबरेली जा रहे हैं।मालूम हो कि रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा मे केन्द्र व राज्य सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।ट्रेन व सभी मार्गों पर रोडवेज बसों की संख्या में बढ़ोतरी की जा रही है जिससे दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो।वही दूर दराज महानगरों से हवाई जहाजों का संचालन भी किया जा रहा है।परंतु अयोध्या – रायबरेली के बीच सिर्फ एक ही बस का संचालन किया जा रहा है।जिसके चलते रायबरेली से अयोध्या आने वाले तथा अयोध्या से रायबरेली को जाने वाले बस यात्रियों मे काफी आक्रोश देखा जा सकता है।

इस संबंध में सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने सिर्फ एक ही रटा–रटाया जवाब देते हैं कि रास्ते में पुलिया टूटी हुई है। जिसके चलते इस मार्ग पर और बसों का संचालन नहीं हो पा रहा है। परंतु यह समस्या आज से नहीं बल्कि तीन दशक पूर्व से है। पहले भी इस रोड पर एक ही रोडवेज बस का संचालन होता था और आज भी एक ही बस का संचालन हो रहा है।

# अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कन्नौज की टीम ने दी श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

कन्नौज। मेजर बीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि कन्नौज जिले के कसावा के पास पश्चिमी मैडया के रहने बाले जगदीश कुमार पाल का कल आकस्मिक निधन हो गया था। तो आज उनके पैतृक गांव मे पहुंच कर अंतिम यात्रा में शामिल होकर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जवानो ने दी अंतिम विदाई और श्रद्धांजलि। इस मौके पर प्रान्त पदाधिकारी शिव नरायन सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष राजेश सिंह सिसोदिया, नगर अध्यक्ष छिबरामऊ बिजेंद्र सिंह चौहान, मेघनाथ पाल, भोज राज वर्मा, विनोद सिंह राठौर, सूर्य प्रताप सिंह संजय यादव, ए के सिंह,इत्यादि सैनिक मौजूद रहे। परमात्मा पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान दे। शत शत नमन अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कन्नौज टीम ने प्रान्त पदाधिकारी आदरणीय प्रमोद सिंह जी की अगुआई मे पूर्व सैनिक सूबेदार रामराज सिंह सहिदा गोवध्नी तिराहा जसोदा को तिरंगा चढ़ाकर दिया आखिरी सम्मान.। और अंतिम यात्रा में शामिल होकर दी सच्ची श्रद्धांजलि। इस मौके पर जलालाबाद और कन्नौज शहर की टीम मौजूद रही। शत शत नमन।

# सीओ सिटी सहित अन्य पुलिस कर्मी शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के मस्जिदों पर रहे तैनात

अयोध्या। गुरुवार की शाम बाहुबली मुख्तार अंसारी की बांदा जेल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। जिसके चलते शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा कर्मियों ने अपना मोर्चा संभाल लिया था। खासकर शुक्रवार को जुमे की नमाज को शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने के लिये शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्थित सभी मस्जिदों के आसपास संबंधित प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्ष पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनात रहे।सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने जुमे की नमाज को शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने के लिये चौक सब्जी मंडी स्थित वक्फ मस्जिद सराय पुख्ता ने पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों के साथ डटे रहे।इसके अलावा उन्होंने उन्होंने चौक,टाटाशाह मस्जिद,कोठा पारचा सहित अन्य स्थानों पर फ्लैग मार्च निकालकर लोगों को शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील किया।इसके अलावा कोतवाली नगर क्षेत्र के टाटाशाह मस्जिद कोठा पारचा के सामने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी पाण्डेय, वजीरगंज जप्ती, हैदरगंज ,देवकाली,चौक, साहबगंज,सदर बाजार इमामबाड़ा, सिविल लाइन, अलीगढ़,नवीन मंडी, बेनीगंज, खवासपुरा, रिकाबगंज, नियांवा सहित सभी मस्जिदों पर अपने अपने क्षेत्रों के संबंधित चौकी प्रभारियों ने सुरक्षा कर्मियों के साथ मुस्तैद रहे।इस मौके पर सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि जुमे की नमाज को शांति पूर्वक सम्पन्न कराने के लिये कोतवाली नगर व थाना कैंट क्षेत्र में स्थित सभी मस्जिदों पर वहां के चौकी प्रभारी को सुरक्षा कर्मियों, पीएसी बलो के साथ तैनात किया गया था।बताते चलें कि गुरुवार की शाम बाहुबली मुख्तार अंसारी की मौत दिल का दौरा पड़ने के चलते हो गई थी।जिसके चलते पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को शुक्रवार को होने वाले जुमे के नमाज को शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने के लिये निर्देश दिए थे। जिसके चलते शुक्रवार को एसएसपी राज करन नय्यर के निर्देश पर सभी मस्जिदों पर जुमे को लेकर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रही।

# छठी बार सैकड़ो लावारिस अस्थियों का किया विसर्जन – खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरिद्वार। सुखमनी सेवा ट्रस्ट और पी न्यूज,भीम ब्रिगेड ट्रस्ट और शहीद भगत सिंह सेवा दल द्वारा 28 मार्च 2024 को छठी बार लावारिस अस्थियों का विधि विधान से विसर्जन किया गया,सुबह–सुबह आदरणीय पदमश्री डॉ जितेंद्र सिंह शन्टी जी ने सीमापुरी शमशान घाट से सैकड़ो अस्थियां सुखमनी सेवा ट्रस्ट के सदस्यों को दी, जिनका हरिद्वार में जाकर विधि विधान से गंगा जी को समर्पित किया गया और सभी ने उन सैकड़ो लावारिस अस्थियों को गंगा जी से मोक्ष की कामना की व आए हुए सभी सुखमनी सेवा ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के घर परिवार में भी सुख शांति का आशीर्वाद मांगा यह कार्यक्रम ट्रस्ट द्वारा छठी बार किया जा रहा है जिसकी राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी रहेजा जी, राजू रहेजा, उपाध्यक्ष मंजू जी ,भीम ब्रिगेड ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव खोसला, संकल्प चौरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष सुषमा वशिष्ठ ,च न्यूज के संस्थापक डॉ नदीम अहमद, पर्यावरण रक्षक राहुल जी ,लता जी, परमजीत कौर ,सुरिंदर पाल सिंह रामा जी,विनोद गुप्ता जी, केशव जी,विश्व के प्रथम सरदार जादूगर जितेंद्र सिंह बब्बर. छोटा हाथी टेंपो में अस्थियां ले जाने वाले चालक संजय जी जो हमेशा यह सेवा करते हैं, कोई भी इस कार्य में सहयोग देना चाहता है या साथ चलना चाहता है वह हमारे से संपर्क कर सकता है राजीव खोसला ने साथ जाने वाले सभी राष्ट्र प्रेमियों का ध न्यवाद किया और कहा कि हम सबको यह कार्य बढ़ चढ़कर करना चाहिए जो कार्य कोई नहीं करता उसे हम करने के लिए सदैव तैयार हैं जय हिंद ,जय भारत, जय गंगा मैया की

# डिजिटलीकरण की दिशा में मंडल के निरंतर बढ़ते कदम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आधुनिकीकरण की दिशा में उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल द्वारा निरंतर किए जाने वाले प्रयासों के तहत मंडल के लखनऊ, वाराणसी जं., प्रयाग जं. एवं अयोध या धाम जं. स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर अब अनारक्षित टिकटों की खरीद पर यू.पी.आई. द्वारा ऑनलाइन भुगतान किया जा सकता है। यह सुविधा मंडल के कुल 19 स्टेशनों पर प्रारंभ की जाएगी एवं अभी मंडल के उक्त चार स्टेशनों पर यह सुविधा प्रारंभ कर दी गई है तथा जल्द ही इस सुविधा को मंडल के अन्य स्टेशनों यथा अकबरपुर जंक्शन, अमेठी, अयोध या कैन्ट जंक्शन, बाराबंकी जंक्शन, भदोही, जंघई जंक्शन, जौनपुर जंक्शन, जौनपुर सिटी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन, निहालगढ़, उन्नाव जंक्शन, प्रयागराज संगम, रायबरेली जंक्शन एवं शाहगंज जंक्शन एवं सुलतानपुर पर भी प्रारंभ कर दिया जाएगा । इस प्रक्रिया के तहत टिकट खरीदते ही यात्री को सामने रखे स्क्रीन पर अपना टिकट विवरण, किराया भुगतान राशि एवं साथ ही में एक स्वजनित क्यूआर कोड दिखेगा,जिसे यात्री द्वारा अपने मोबाइल फोन से स्कैन करके दर्शायी गई किराया राशि का भुगतान किया जा सकता है। इस सुविधा द्वारा रेलवे अपना नवीनीकरण करते हुए अपने रेल यात्रियों को अधिकाधिक लाभान्वित कर सकेगी। इस सुविधा से यात्रियों को टिकट लेने के लिए अपने साथ नकद धन रखने की आवश्यकता नहीं होगी,उनका समय बचेगा, लेन देन में पारदर्शिता रहेगी तथा रेलवे को भी अपना रेल राजस्व सुव्यवस्थित और संयोजित रखने में सहायता प्राप्त होगी।

# आदर्श आचार संहिता का अनुपालन कराने हेतु प्रदेश के समस्त जनपद/कमिश्नरेट में की गई कार्यवाही

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और सकुशल शांतिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने हेतु दिनांक 16.03.2024 को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता के प्रवर्तन सम्बन्धी घोषणा की गई। आदर्श आचार संहिता का संपूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु पुलिस मुख्यालय स्तर से कई दिन पूर्व से ही योजनाबद्ध रूप से तैयारी प्रारम्भ कर दी गई थी। इस क्रम में मुख्यालय स्तर पर चुनाव प्रकोष्ठ का गठन करते हुए समस्त जनपदो को समुचित निर्देश व मार्गदर्शक सिद्धांतों से संबंधित बुकलेट प्रेषित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व गोष्ठियों के माध्यम से सभी जनपद/कमिश्नरेट में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन हेतु की गई कार्यवाही की निरन्तर समीक्षा की जा रही है। दिनांक 16.03.2024 के पश्चात आदर्श आचार संहिता के प्रवर्तन व अनुपालन में समस्त जनपद/कमिश्नरेट द्वारा की गई कार्यवाही का विवरण निम्नवत् है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों पर विधिसम्मत् कार्यवाही करते हुए विभिन्न जनपद/कमिश्नरेट के सम्बन्धित थानों पर सुसंगत धाराओं में 20 प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीकृत कराकर अग्रिम विवेचनात्मक व प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। दिनांक 27.03.2024 को विभिन्न लोक संपत्तियों से 1755 वॉल राइटिंग, पोस्टर, बैनर आदि हटवाये गये तथा 1699 Defacement Removal (विरूपण) की कार्यवाही की गई। दिनांक 16.03.2024 से अब तक विभिन्न लोक संपत्तियों से 8,83,646 वॉल राइटिंग, पोस्टर, बैनर आदि हटवाये गये तथा 4,70,296 Defacement Removal (विरूपण) की कार्यवाही की जा चुकी है। दिनांक 27.03.2024 को विभिन्न निजी संपत्तियों से 836 वॉल राइटिंग, पोस्टर, बैनर आदि हटवाये गये तथा 577 Defacement Removal (विरूपण) की कार्यवाही की गई। दिनांक 16.03.2024 से अब तक विभिन्न लोक संपत्तियों से 6,32,817 वॉल राइटिंग, पोस्टर, बैनर आदि हटवाये गये तथा 3,26,266 Defacement Removal (विरूपण) की कार्यवाही की जा चुकी है। समस्त जनपद/कमिश्नरेट में 108 फ्लाइंग स्क्वायड टीम तथा 249 स्टेटिक सर्विलांस टीमों का गठन कर निरन्तर चौकसी, सतर्कता तथा चेकिंग की कार्यवाही की जा रही है। आदर्श आचार संहिता का पूर्ण अनुपालन व प्रभावी प्रवर्तन सुनिश्चित करने हेतु पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित चुनाव प्रकोष्ठ तथा नियंत्रण कक्ष के माध यम से समस्त जनपदध्कमिश्नरेट से समन्वय स्थापित करते हुए निरन्तर कार्यवाही का अनुश्रवण सुनिश्चित किया जा रहा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।